RRB ALP & TECHNICIAN 2024
&
झारखण्ड पुलिस भर्ती
Pilot Batch (CBT- 1&2)
सेवक बैच
हरियाणा बैच
HISTORY
विजयनगर साम्राज्य
Part -2
LIVE 23-04-2024 09:00 AM

⇒ **देवराय प्रथम** :- 1406–1422 ई०

⇒ बहमनी शासक फिरोजशाह ने विजयनगर साम्राज्य पर आक्रमण किया जिसमें देवराय प्रथम पराजित हुआ।

⇒ तुंगभद्रा नदी पर बाँध बनाकर विजयनगर के लिए नहरे निकाली जो कृषि के विकास के लिए अत्याधिक लाभदायक बनी।

⇒ इटली यात्री निकोलो कोण्टी विजयनगर की यात्रा पर देवराय प्रथम के शासन काल में आया था।

⇒ प्रसिद्ध तेलुगू कवि श्रीनाथ को देवराय प्रथम का राजकीय संरक्षण प्राप्त था।

देवराय II :- (1422-1446 ई०)

⇒ देवराय II संगम वंश का सबसे महानतम शासक था। उसका साम्राज्य विस्तार श्रीलंका (सीलोन) के तट तक विस्तृत हो गया था।

⇒ अपनी सैनिक शक्ति को मजबूत करने के लिए देवराय II ने 2000 तुर्की धनुर्धारी को अपनी सेना में भर्ती किया, तथा उन्हे जागीर प्रदान की।

(IMP) ⇒ फारसी राजदूत अब्दुल रज्जाक देवराय II के शासनकाल में विजयनगर आया था

↳ ईरान शासक मिर्जा शाहरुख के द्वारा भेजा गया था।

(IMP) ⇒ अभिलेखों में देवराय II को गजबेटकर (हाथियों का शिकारी) कहा गया है

⇒ देवराय II को 'कवि सार्वभौम' की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

↳ संस्कृत महानाटय सुधानिधि एवं ब्रह्मसूत्र पर भाष्य लिखा है।

⇒ मल्लिकार्जुन :- (1446-1465 ई०)

⇒ मल्लिकार्जुन के शासनकाल में चीनी यात्री माहुयान समुन्द्री यात्रा से विजयनगर आया था।

⇒ **विरूपाक्ष II** :- **1465-1485**

⇒ विरूपाक्ष II संगम वंश का अन्तिम शासक था।

सालुव वंश : (1485-1505 ई०)

सालुव नरसिंह :-(1485-1490 ई०)

→ **संस्थापक**

⇒ सालुव नरसिंह के समय औडिशा के शासक पुरुषोत्तम गजपति ने विजयनगर साम्राज्य पर आक्रमण किया।

तुलुव वंश :- 1505-1565 ई०

⇒ तुलुव वंश विजयनगर साम्राज्य का तीसरा वंश था, जिसकी स्थापना वीर नरसिंह ने की थी। तुलुव वंश में 6 शासको ने 60 वर्षों तक शासन किया था। कृष्ण देवराय तुलुव वंश का ही नही बल्कि विजयनगर साम्राज्य का महानतम शासक था।

⇒ वीर नरसिंह :- (1505–1509 ई०)

⇒ वीर नरसिंह तुलुव वंश का संस्थापक था, जिसने 4 वर्षों तक शासन किया था।

उपाधि :- भुजबल

⇒ कृष्णदेवराय : (1509–1529 ई०)

⇒ कृष्णदेवराय विजयनगर साम्राज्य का महानतम शासक था, बाबर ने अपनी आत्मकथा बाबरनामा में भारत के 5 मुस्लिम राज्य, बंगाल, दिल्ली, गुजरात, बहमनी, मालवा तथा 2 हिन्दू राज्य - चित्तौड़ व विजयनगर का उल्लेख किया है।

⇒ विजयनगर के शासक कृष्णदेवराय को तत्कालिन भारत का सबसे शक्तिशाली शासक कहा।

⇒ पुर्तगाली यात्री एडवर्ड बारबोसा व डोमिंगो पायस कृष्णदेवराय के समय भारत में विजयनगर की यात्रा पर आये थे

(IMP)

⇒ तेलगू साहित्य के अष्ट दिग्गज कवि कृष्ण देवराय के दरबार में रहते थे।

⇒ कृष्ण देवराय के शासनकाल को तेलगू साहित्य का 'क्लासिक युग' कहा जाता है।

⇒ तेलगू में आमुक्तमाल्यदा एवं संस्कृत में जाम्बवती कल्याणम् की रचना कृष्ण देवराय ने की थी।

उपाधि :- आन्ध्र भोज, अभिनव भोज एवं आन्ध्र पितामह की उपाधि